

Jdg

Chapter 17

Hindi Interlinear

Reference: Hindi Easy-to-Read Version

1
וַיְהִי-אִישׁ מִהַר-אֶפְרַיִם וּשְׁמוֹ מִיכָיְהוּ:
और-उसका-नाम एप्रेम-के पहाड़-से पुरुष और-था
H1961 H0376 H2022 H0669 H8034 H4319

मीका नामक एक व्यक्ति था जो एप्रेम के पहाड़ी प्रदेश में रहता था।

2
וַיֹּאמֶר וַיְהִי-לִּאִמּוֹ אֶלְהָרָה וּמֵאָה אֶלְהָרָה
और-कहा और-माता-से अपनी-माता-से हज़ार और-सौ
H0559 H0517 H0505 H3967 H3701 H3947 H0422

וְגַם וַיֹּאמֶר וַיְהִי-לִּאִמּוֹ אֶלְהָרָה וּמֵאָה אֶלְהָרָה
और-भी और-कहा तूने-कहा मेरे-कानों-में देखो चाँदी मेरे-पास
H1571 H0559 H2041 H2009 H3701 H0854 H0589 H3947 H0559 H1288 H0517

וַיְהִי-לִּי
यहोवा-को मेरे-पुत्र
H3068

मीका ने अपनी माँ से कहा, “क्या तुम्हें चाँदी के ग्यारह सौ सिक्के याद हैं जो तुमसे चुरा लिये गए थे। मैंने तुम्हें उसके बारे में शाप देते सुना। वह चाँदी मेरे पास है। मैंने उसे लिया है।” उसकी माँ ने कहा, “मेरे पुत्र, तुम्हें यहोवा आशीर्वाद दे।”

3
וַיֹּשֶׁב וַיְהִי-לִּי
और-लौटाया और-कहा
H7725 H0853 H0505 H3967 H3701 H0517 H0559 H6942 H0517

וַיֹּשֶׁב וַיְהִי-לִּי
और-लौटाया और-कहा मैंने-पवित्र-किया-था
H6942 H0853 H3701 H3068 H3027 H0517 H0559 H6942 H0517

וַיְהִי-לִּי
तुझे और-अब
H7725 H6258

मीका ने अपनी माँ को ग्यारह सौ सिक्के वापस दिये। तब उसने कहा, “मैं ये सिक्के यहोवा को एक विशेष भेंट के रूप में दूँगी। मैं यह चाँदी अपने पुत्र को दूँगी और वह एक मूर्ति बनाएगा और उसे चाँदी से ढक देगा। इसलिए पुत्र, अब यह चाँदी मैं तुम्हें लौटाती हूँ।”

4
וַיֹּשֶׁב וַיְהִי-לִּי
और-लौटाया और-कहा
H7725 H0853 H3701 H3967 H0517 H3947 H0517 H6884 H5414 H3701 H3967 H0517

וַיֹּשֶׁב וַיְהִי-लִי
और-अब और-हुआ और-ढली-मूर्ति मूर्ति और-बनवाया-उसने-उसे
H6459 H1961 H4319 H6459

लेकिन मीका ने वह चाँदी अपनी माँ को लौटा दी। अतः उसने दो सौ शेकेल चाँदी लिये और एक सुनार को दे दिया। सुनार ने चाँदी का उपयोग चाँदी से ढकी एक मूर्ति बनाने में किया। मूर्ति मीका के घर में रखी गई।

5 וְהָאִישׁ מִיכָה לֹו בֵּית אֱלֹהִים וַיַּעַשׂ אֶפֹּד וַתְּרָפִים וַיְמַלֵּא אֶת-יָד הָאִישׁ אֲתָ-יָד 5
हाथ -को और-भरा और-तरापीम एपोद और-बनाया देवताओं-का घर उसका मीकाह और-पुरुष
H3027 H0853 H4390 H8655 H0646 H0430 H4318 H0376

אֶחָד מִבְּנָיו וַיְהִי-לוֹ לְכַהֵן: 6
याजक-के-लिए उसका और-हुआ अपने-पुत्रों-में-से एक
H3548 H1961 H0259

मीका का एक मन्दिर मूर्तियों की पूजा के लिये था। उसने एक एपोद और कुछ घरेलू मूर्तियाँ बनाई। तब मीका ने अपने पुत्रों में से एक को अपना याजक चुना।

6 בְּיָמָיו הָיוּ אֵין מֶלֶךְ בְּיִשְׂרָאֵל אִישׁ הַיָּשָׁר בְּעֵינָיו יַעֲשֶׂה: * 6
दिनों-में नहीं-था उन राजा इस्राएल-में सही प्रत्येक करता-था अपनी-नज़रों-में
H3477 H0376 H3478 H4428 H0369 H1992 H3117

(उस समय इस्राएल के लोगों का कोई राजा नहीं था। इसलिए हर एक व्यक्ति वह करता था जो उसे ठीक जँचता था।)

7 וַיְהִי-נֶעֱרַר לְחֶסֶם בֵּית יְהוּדָה מִמְּשַׁפַּחַת קִוְלָה יְהוּדָה וְהוּא לֵוִי וְהוּא נֶגֶר-שָׁם: 7
और-था जवान बैतलहम-से यहूदाह कुल-से यहूदाह और-वह लेवी और-वह परदेशी-था वहाँ
H8033 H1931 H3881 H1931 H3063 H4940 H3063 H1035 H5288 H1961

एक लेवीवंशी युवक था। वह यहूदा प्रदेश में बेतलेहेम नगर का निवासी था। वह यहूदा के परिवार समूह में रह रहा था।

8 וַיְלֶךְ הָאִישׁ מִהַעִיר לְחֶסֶם בֵּית יְהוּדָה לָגֹור בְּאֶשְׁרָה יִמְצָא וַיְבֹא הָרָ-אֶפְרַיִם 8
और-गया पुरुष नगर-से बैतलहम-से यहूदाह रहने-को जहाँ पाए और-आया पहाड़ एप्रेम-का
H0669 H2022 H0935 H4672 H3063 H1035 H0376 H3212

עַד-בֵּית מִיכָה לַעֲשׂוֹת דְּרָכָיו: 9
-तक घर मीकाह-के करने-को अपनी-राह
H1870 H4318 H5704

उस युवक ने यहूदा में बेतलेहेम को छोड़ दिलाया। वह रहने के लिये दूसरी जगह ढूँढ रहा था। जब वह यात्रा कर रहा था, वह मीका के घर आया। मीका का घर एप्रेम के पहाड़ी प्रदेश में था।

9 וַיֹּאמֶר-לוֹ אִישׁ מִיכָה מֵאֵין תְּבֹא וַיֹּאמֶר אֵלָיו לֵוִי אָנֹכִי לְחֶסֶם בֵּית יְהוּדָה 9
और-कहा उससे मीकाहने कहाँ-से तू-आता-है और-कहा उससे लेवी मैं बैतलहम-से यहूदाह
H3063 H1035 H0595 H3881 H0413 H0559 H0935 H0370 H4318 H0559

וְאָנֹכִי הָלַךְ לָגֹור בְּאֶשְׁרָה: 10
और-मैं जा-रहा-हूँ रहने-को जहाँ
H4672 H1980 H0595

मीका ने उससे पूछा, “तुम कहाँ से आए हो?” युवक ने उत्तर दिया, “मैं उस बेतेलेहेम नगर का लेवीवंशी हूँ जो यहूदा प्रदेश में है। मैं रहने के लिये स्थान ढूँढ रहा हूँ।”

10 וַיֹּאמֶר-לוֹ מִיכָה שָׁבָה עִמָּדִי וַהֲיָה-לִּי לְאָב וּלְכַהֵן וְאָנֹכִי אֶתְנֶה 10
और-कहा उससे मीकाहने रह मेरे-साथ और-हो मेरे-लिए पिता-के-लिए और-याजक-के-लिए और-मैं दूँगा
H5414 H0595 H3548 H0001 H1961 H5978 H3427 H4318 H0559

לֵךְ עִשְׂרֵת כֶּסֶף לְיָמָיו וְעָרָה בְּנָדִים וַיְהִי-לוֹ הַלְוִי: 11
तुझे दस चाँदी वर्ष-में और-सेट कपड़ों-का और-हुआ और-हो लेवी और-गया और-तेरा-भोजन
H3881 H3212 H4241 H6187 H3117 H3701 H6235

तब मीका ने उससे कहा, “मेरे साथ रहो। मेरे पिता और मेरे याजक बनो। मैं हर वर्ष तुम्हें दस चाँदी के सिक्के दूँगा। मैं तुम्हें वस्त्र और भोजन भी दूँगा।” लेवीवंशी ने वह किया जो मीका ने कहा।

11 וַיֹּאמֶר-לוֹ מִיכָה לְהָלִיךְ אֶת-לְשַׁבֵּת לְיָמָיו וַיֵּלֶךְ הַלְוִי וַיֵּלֶךְ אִישׁ מִיכָה לְיָמָיו 11
और-कहा उससे मीकाहने रहने-को लेवी और-राज़ी-हुआ एक-की-तरह उसका जवान और-हुआ पुरुष -के-साथ रहने-को लेवी और-राज़ी-हुआ
H0259 H5288 H1961 H0376 H0854 H3427 H3881 H2974

लेवीवंशी युवक मीका के साथ रहने को तैयार हो गया। युवक मीका के पुत्रों के जैसा हो गया।

בבית	ויהי	לכהן	הנער	לו	ויהי	הלוי	יד	את	מיקה	וימלא	12
घर-में	और-हुआ	याजक-के-लिए	जवान	उसका	और-हुआ	लेवी-का	हाथ	-को	मीकाहने	और-भरा	
	H1961	H3548	H5288		H1961	H3881	H3027	H0853	H4318	H4390	

מיקה:
मीकाह-के
[H4318](#)

मीका ने युवक को अपना याजक बनाया। इस प्रकार युवक याजक बन गया और मीका के घर में रहने लगा।

הלוי	לי	היה	כי	לי	יהוה	יטיב	כי	ידעתי	ענה	מיקה	ויאמר	13
लेवी	मेरा	हुआ-है	क्योंकि	मेरे-लिए	यहोवा	भलाई-करेगा	कि	मैं-जानता-हूँ	अब	मीकाहने	और-कहा	
H3881		H1961			H3068	H3190		H3045	H6258	H4318	H0559	

לכהן:
याजक-के-लिए
[H3548](#)

मीका ने कहा, “अब मैं समझता हूँ कि यहोवा मेरे प्रति अच्छा होगा। मैं यह इसलिए जानता हूँ कि मैंने लेवीवंशी के परिवार के एक व्यक्ति को याजक रखा है।”